डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/4-357/2024-26

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

प्रकाशन 1 फरवरी, 2024, डिस्पेच दिनांक 1 फरवरी, 2024

| वर्ष 67 | अंक 17 | भोपाल | 1 फरवरी, 2024 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राज्य स्तरीय समारोह में राष्ट्र ध्वज फहराया

भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में 75वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया

भोपाल : राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और आकर्षक परेड की सलामी ली। लाल परेड ग्राउंड में हुई परेड में 19 टुकड़ियाँ शामिल थी।

राज्यपाल श्री पटेल ने परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद परेड कमांडर श्री आनंद कलादगी के नेतृत्व में मार्च पास्ट किया गया। परेड के 2आईसी श्री अभिषेक चौधरी थे। परेड में कंटीजेंट क्रमांक-1 गुजरात राज्य पुलिस का प्लाटून था। कंटीजेंट क्रमांक-2 में मध्यप्रदेश विशेष सशस्त्र बल की टुकड़ी कंटीजेंट क्रमांक-3 एसटीएफ, कंटीजेंट क्रमांक-4 विशेष सशस्त्र बल जिला पुलिस महिला, कंटीजेंट क्रमांक-5 हॉक फोर्स, कंटीजेंट क्रमांक-6 केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कंटीजेंट क्रमांक-7 जिला पुलिस बल पुरूष, कंटीजेंट क्रमांक-8 जेल विभाग महिला, कंटीजेंट क्रमांक-9 मध्यप्रदेश होमगार्ड, कंटीजेंट क्रमांक-10 भूतपूर्व सैनिक, कंटीजेंट क्रमांक-11 एनसीसी सीनियर डिविजन एयर विंग नेवल विंग बॉयस मिश्रित प्लाटून, कंटीजेंट क्रमांक-12 एनसीसी सीनियर विंग एयर विंग नेवल विंग गर्ल्स मिश्रित प्लाटून, कंटीजेंट क्रमांक-13 गर्ल्स गाइड छात्रा, कंटीजेंट क्रमांक-14 स्काउट गाइड बॉयस, कंटीजेंट क्रमांक-15 पुलिस बॉयस, कंटीजेंट क्रमांक-16 शौर्य दल, कंटीजेंट क्रमांक-17 पुलिस बैंड, कंटीजेंट क्रमांक-18 स्वान दल, कंटीजेंट क्रमांक-19 अश्वरोही दल की टुकडियाँ शामिल थी। राज्यपाल श्री पटेल ने नागरिकों की उपस्थिति में खुले आकाश में रंगीन गुब्बारे छोड़े।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

राज्य स्तरीय 75वे गणतंत्र दिवस समारोह में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी। रेड रोज स्कूल लांबाखेड़ा के विद्यार्थियों ने भारत गणराज्य के बदलते स्वरूप की स्तुति का गान किया। उनका यह नृत्य भारत की छवि को विश्वगुरू के रूप में स्थापित शक्ति स्वरूप दर्शाता था। इस नृत्य में जहाँ एक ओर भारत की भौगोलिक विशेषताओं का बखान है, वहीं विश्व के मान के संरक्षक के रूप में दर्शाता है। पूरी दुनिया में भारत वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा स्थापित करता है और उसकी अस्मिता की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल,संत हिरदाराम नगर के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति दी। उनकी इस प्रस्तुति में भारत भूमि की भव्यता एवं संस्कृति का वर्णन था। इस नृत्य में 60 छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति से जनसमुदाय का मन मोह लिया। नृत्यों की आखरी प्रस्तुति शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 171 बच्चों ने "देश राग" में नृत्य की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में स्कूल शिक्षा विभाग के 13 सरकारी स्कूल के बच्चे शामिल थे। नृत्य के माध्यम से लोकतंत्र में गणतंत्र के महत्व को दर्शाया गया था।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल हुए

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सबका विकास लोकतंत्र का शरीर और रामराज्य लोकतंत्र की आत्मा बन गए है : मुख्यमंत्री

75वें गणतंत्र दिवस पर गणतंत्र भारत के अमृत महोत्सव का शुभागमन हुआ है

जनता के हित में कड़े फैसले लेने में देरी नहीं की जाएगी

सरकार के कामकाज में हर स्तर पर शुचिता, पारदर्शिता, विकेन्द्रीकरण, त्वरित निर्णय, कार्य दक्षता, अनुशासन और संवेदनशीलता सुनिश्चित की जाएगी

उज्जैन में आईआईटी सेटेलाइट टाउन के लिए मिली सैद्धांतिक स्वीकृति

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को भारतीय गणराज्य के 75वें गणतंत्र दिवस पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि स्वतंत्र भारत के अमृत महोत्सव के अभूतपूर्व आयोजन के बाद अब गणतंत्र भारत के अमृत महोत्सव का शुभागमन हुआ है। राज्य सरकार की पहल पर पहली बार गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए जिला पुलिस बैंड की धुन पर बजते देशभक्ति के तराने, देश के लिए जीने और देश के लिए मरने की प्रेरणा दे रहे हैं। उन्होंने भारत माता की आजादी के लिए हंसते-हंसते सूली चढ़ने वाले अमर शहीदों के चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर एवं अन्य सभी संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 75वें गणतंत्र दिवस पर उज्जैन के दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झंडा-वंदन कर परेड की सलामी ली तथा शांति के प्रतीक स्वरूप गुब्बारे छोड़े।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

विदिशा में खेल व सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने फहराया तिरंगा

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुरस्कृत हुए

विदिशा : गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के पावन पर्व पर विदिशा जिला मुख्यालय पर आयोजित गरिमामय समारोह में सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री जी का जनता के नाम भेजे गए संदेश का अभिकल वाचन किया। इसके पश्चात् प्रगति के प्रतीक गुब्बारो को मुक्त आकाश में छोड़ा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री श्री सारंग ने विदिशा के पुलिस परेड ग्राउण्ड में आयोजित समारोह में खुली जीप मे सवार होकर परेड़ का निरीक्षण किया। उनके साथ कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला भी मौजूद थे। समारोह में विशेष सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल, शौर्यादल सहित कुल 14 टुकड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट किया गया। स्वतंत्रता दिवस अमर रहे के नारो के बीच हर्ष फायर किया गया। मंत्री श्री सारंग ने परेड कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया।

मंत्री श्री सारंग ने पूर्व मंत्री व मीसाबंदी श्री राघवजी भाई सहित अन्य मीसाबंदियों का शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग समेत अन्य अतिथियों ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों एवं उत्कृष्ट परेड करने में चयनितों के अलावा निर्णायक द्वारा चयनित विभागों की झांकियों को सम्मानित किया।

शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई जिसमें सरस्वती शिशु मंदिर तलैया के 350 छात्र-छात्राओं द्वारा बोल भारत म्हारो देश राजस्थानी गीत, शासकीय एमएलबी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की 350 छात्राओं के द्वारा देशभक्ति गीत देश रंगीला, साकेत एमजीएम स्कूल के 250 विद्यार्थियों द्वारा आदि शक्ति जगदम्बा की आराधना, वात्सल्य सीनियर सेकेंड्री हाई स्कूल के 300 विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत सूरज ने छेड़ी... दुल्हन चली ओ बहन चली तीन रंग की चोली, स्प्रिंगफील्ड वर्ल्ड स्कूल के 200 विद्यार्थियों ने जय-जयकारा स्वामी देना साथ हमारा देशभक्ति से ओतप्रोत की प्रस्तुति पर दर्शकगण एकटक मंत्रमुग्ध होकर देखते रहे।

जिला मुख्यालय पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह स्थल पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीती शर्मा के अलावा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री तोरण सिंह दांगी, कॉ-आपरेटिव बैंक के पूर्व द्वय अध्यक्ष श्री बाबूलाल ताम्रकार और श्री श्याम सुन्दर शर्मा, सांसद प्रतिनिधि श्री राकेश शर्मा, डॉ राकेश जादौन, श्री मनोज कटारे, सहित अन्य अतिथिगण, गणमान्य नागरिक, विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, मीडियाकर्मी, स्कूली विद्यार्थी, शिक्षकगण मौजूद थे।

देशभर से 250 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के अध्यक्ष और उनके परिजन "विशेष अतिथि" के रूप में गणतंत्र दिवस परेड 2024 के साक्षी बने

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की "सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना को साकार करने के लिए गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय ने बहुत ही कम समय में ही 54 से अधिक महत्वपूर्ण पहल की हैं

कुछ PACS के अध्यक्षों ने अपनी-अपनी समितियों को PACS कम्प्यूटरीकरण परियोजना से हुए लाभ के बारे में अनुभव भी साझा किए

नई दिल्ली। देशभर से लगभग 250 लाभार्थी प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के अध्यक्ष और उनके परिजन भारत सरकार के "विशेष अतिथि" के रूप में इस बार कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड 2024 के साक्षी बने। परेड देखने के बाद, विशेष अतिथि शाम को लाल क़िले पर आयोजित "भारत पर्व" में शामिल हुए। विशेष अतिथियों ने दो दिवसीय गणतंत्र दिवस उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की "सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना को साकार करने के लिए गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय ने बहुत ही कम समय में 54 से अधिक महत्वपूर्ण पहल की हैं। "PACS का कम्प्यूटरीकरण" इनमें से एक प्रमुख पहल है, जिसके तहत 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ 63,000 PACS को कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है। अब तक, 28 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 12,000 से अधिक पैक्स को कम्प्यूटरीकृत किया जा चुका है।

सहकारिता मंत्रालय ने 24 राज्यों एवं 2 केंद्र शासित प्रदेश में स्थित कंप्यूटरीकरण परियोजना के चयनित 250 लाभार्थी PACS के अध्यक्षों और उनके परिवार को गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए आमंत्रित किया था। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सहकारिता राज्य मंत्री श्री बी.एल वर्मा ने सभी आमंत्रित अतिथियों से मुलाक़ात की और उनके साथ रात्रि भोज किया। इस अवसर पर श्री वर्मा ने मंत्रालय द्वारा शुरू की गई विभिन्न महत्वपूर्ण पहल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होनें उपस्थित अतिथियों को यह आश्वासन भी दिया की सहकारिता मंत्रालय आगे भी इसी तरह सहकारिता क्षेत्र के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत रहेगा। कुछ PACS के अध्यक्षों ने अपनी-अपनी समितियों को PACS कम्प्यूटरीकरण परियोजना से हुए लाभ के बारे में अपने अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर सहकारिता मंत्रालय के विशेष सचिव, अपर सचिव और अनेक वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नाबार्ड के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारी समितियों के केंद्रीय पंजीयक कार्यालय (CRCS) के नए भवन का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को मजबूत करेगा सहकारी पंजीयक केन्द्रीय कार्यालय

मोदी सरकार में नए कानून, नए आफिस और नई पारदर्शी व्यवस्था के साथ सहकारिता क्षेत्र में नए युग की हुई शुरुआत

सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता और आधुनिकता लाएगा CRCS

मोदी जी के विकसित भारत के विजन को पूरा करेगा सहकारिता मंत्रालय

मोदी सरकार के 5 ट्रिलियन इकोनॉमी लक्ष्य में अहम भागीदार बनेगा सहकारिता क्षेत्र

बेहतर कार्य-संस्कृति के लिए कार्यालयों का आधुनिकरण और सुचारू व्यवस्था जरूरी है

सहकारिता मंत्रालय ने 30 महीने में 60 बड़े निर्णय लिए हैं, जिससे आने वाले दिनों में ग्रामीण अर्थतंत्र को मजबूती मिलेगी

आज जब PACS के माध्यम से ड्रोन दीदी खेतों में ड्रोन से छिडकाव करती हैं तो लोगों में विश्वास जगता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था आधुनिकता से जुड़ रही है

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारी समितियों के केंद्रीय पंजीयक कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सहकारिता राज्य मंत्री श्री बी एल वर्मा, सचिव, सहकारिता मंत्रालय श्री ज्ञानेश कुमार, नैशनल बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (NBCC) के प्रबंध निदेशक और देशभर से बहुराज्यीय सहकारी फेडरेशन, बहुराज्यीय सहकारी समितियों एवं बैंकों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि सहकारी पंजीयक केन्द्रीय कार्यालय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में नए कानून, नए आफिस और नई पारदर्शी व्यवस्था के साथ सहकारिता क्षेत्र में नए युग की शुरुआत हुई है। मोदी जी द्वारा सहकारिता मंत्रालय के गठन के 2 सालों के बाद आज मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटी एक्ट में 98वें संशोधन के अनुसार सभी परिवर्तन कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कोऑपरेटिव सोसायटीज़ के संचालन में आने वाली कई प्रकार की विसंगतियों को दूर करने के लिए 2023 में कानून बनाकर पारदर्शी सहकारिता का एक मज़बूत खाका तैयार करने का काम किया है। श्री शाह ने कहा कि CRCS के कार्यालय का कम्प्यूटराइज़ेशन भी हो चुका है और आज CRCSको नया कार्यालय भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 1550 वर्गमीटर क्षेत्र में बने CRCS कार्यालय पर लगभग 175 करोड़ रूपए की लागत आई है। बेहतर कार्य-संस्कृति के लिए कार्यालयों का आधुनिकरण और सुचारू व्यवस्था जरूरी है और मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटीज़ के गवर्नेंस के संबंध में पिछले 2 सालों में उठाए गए कदमों के बाद आज हम एक नए युग की शुरूआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 06 जुलाई, 2021 से अब तक की 2 सालों की यात्रा में बहुत कम समय में सहकारिता मंत्रालय के सभी अधिकारियों ने ये काम किया है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पीछे स्पष्ट उद्देश्य था कि देश में लगभग 125 साल पुराना सहकारिता आंदोलन समय के साथ-साथ क्षीण हो गया था, कानून अप्रासंगिक हो गए थे और ऊपर से नीचे तक पूरी सहकारिता का समय के साथ कदम मिलाना बाकी था। इस कारण आज़ादी के 75 वर्षों के बाद पीछे मुड़कर देखने पर लगा कि सहकारिता आंदोलन जितनी गति से आगे बढ़ना चाहिए था, उतनी तेज़ी से नहीं बढ़ा। श्री शाह ने कहा कि देश के ग्रामीण अर्थतंत्र पर सहकारिता का जो संयुक्त प्रभाव पड़ना चाहिए था, वो नहीं दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की कल्पना वाली 5 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था में सहकारिता का बड़ा योगदान सुनिश्चित कर हम इसे 21वीं सदी में पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय मोदी जी के विकसित भारत के विजन को पूरा करेगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटीसे संबंधित एडमिनिस्ट्रेशन, कम्युनिकेशन और पारदर्शिता में कोई समस्या नहीं आएगी। श्री शाह ने कहा कि आज Collective Prosperity: The Legacy of Indian Cooperative नाम की पुस्तक का भी विमोचन हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में इस पुस्तक का अनुवाद होने के बाद इसकी स्पिरिट को हमें प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) और सभी छोटी से छोटी इकाइयों तक पहुंचाने के प्रयास करने चाहिएं। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में लाए गए सभी सुधारों में सभी राज्यों ने राजनीति से ऊपर उठकर सहकारिता मंत्रालय को समर्थन दिया है और ऐसे समय में सहकारिता क्षेत्र में एक नया आत्मविश्वास पैदा करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि ये पुस्तक पूरे सहकारिता क्षेत्र में आत्मविश्वास भरने में बहुत उपयोगी साबित होगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय ने पिछले 30 महीनों में 60 पहल की हैं और पिछले 9 वर्षों में मोदी जी ने सहकारिता क्षेत्र के लिए एक बहुत बड़ी भूमिका बनाकर हमारे सामने रखी है। उन्होंने कहा कि मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटी के तहत हर संस्था का उपभोक्ता कमोबेश मध्यम वर्ग, उच्च मध्यम वर्ग और गरीब तबके का है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने पिछले 9 सालों में सभी ज़रूरी सुविधाएं देकर देश के करोड़ों गरीबों के जीवन को बहुत सरल बना दिया है। श्री शाह ने कहा कि इन करोड़ों गरीबों को पूंजी के बिना देश के विकास में योगदान देने में सक्षम बनाने की क्षमता सिर्फ सहकारिता में है।

श्री अमित शाह ने कहा कि ये सहकारिता का ही चमत्कार है कि आज गुजरात में 36 लाख परिवार पशुपालन के व्यवसाय के साथ जुड़े हैं और इनका सालाना टर्नओवर 60 हज़ार करोड़ रूपए है। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में मानवता के साथ सभी व्यवस्थाएं बनाने की क्षमता है। श्री शाह ने कहा कि पिछले 2 वर्षों में सहकारिता क्षेत्र में कई अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोग कहते थे की सहारा समूह में फंसा हुआ लोगों का पैसा वापिस नहीं मिलेगा, लेकिन अब तक सहारा समूह की कोऑपरेटिव सोसायटीज़ के लगभग डेढ़ करोड़ निवेशकों का पंजीकरण हो चुका है और ढाई लाख लोगों को 241 करोड़ रूपए वापिस भी मिल चुके हैं। श्री शाह ने कहा कि मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसाटीज़ के लिए बनाए गए नए कानूनों को सभी ने लेटर एंड स्पिरिट में लागू किया है। उन्होंने कहा कि ये इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है कि कोऑपरेटिव सेक्टर खुद भी रिवाइव होना चाहता है और सुधारों का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि अगर सहकारिता क्षेत्र अपनी विश्वसनीयता खो देता है तो विस्तार तो होगा ही नहीं, साथ ही अस्तित्व का संकट भी सामने आ जाएगा।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि इफ्को ने प्रयोग के तहत नैनो डीएपी और नैनो यूरिया लिक्विड बनाया है और इसे बहुत कम समय में किसानों के खेतों तक पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि इस वक्त इसकी बहुत ज्यादा जरूरत है क्योंकि भूमि संरक्षण हमारी उपज के लिए बेहद जरुरी है। श्री शाह ने कहा कि देश के गांवों में सबसे ज्यादा आकर्षण ड्रोन द्वारा लिक्विड यूरिया के छिड़काव के प्रति देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज जब PACS के माध्यम से ड्रोन दीदी खेतों में ड्रोन से छिडकाव करती हैं तो लोगों में विश्वास जगता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था आधुनिकता से जुड़ रही है।

श्री अमित शाह ने कहा कि देश सहकारिता के हर क्षेत्र में आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य है कि देश में 2 लाख नए PACS पंजीकृत हों। अब तक 12000 से ज्यादा PACS पंजीकृत हो चुके हैं और समयपूर्व ही हम इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। श्री शाह ने कहा कि मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटीज को बैंक में परिवर्तित होने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2020 में 10 मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज़ पंजीकृत हुई थीं और और 2023 में 102 नई मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी पंजीकृत हुई हैं, यानी 10 गुना वृद्धि। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन को हमें और गति देनी है। हमें इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा बैंक मल्टीस्टेट बनें और ज्यादा से ज्यादा मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज तथा क्रेडिट सोसाइटी बैंक में परिवर्तित हों

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल हुए

इस अवसर पर कलापथक दल द्वारा मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत किया गया है।

चित्रकूट को विश्वस्तरीय धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अद्भुत संयोग है कि राष्ट्र-पर्व के ठीक पहले राष्ट्र-गर्व के एक महान प्रसंग ने अयोध्या में स्वर्णिम अध्याय रच दिया। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल से हुई भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा से भारत में राम राज्य की संकल्पना जीवंत और जयवंत हो गई। काल के केन्द्र भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन से 5 लाख लड्डू प्रसाद के रूप में मध्यप्रदेश की मिठास अयोध्या भेजी गई। प्राण प्रतिष्ठा का पर्व पूरे प्रदेश में अध्यात्म और आस्था के उत्सव के रूप में मनाया गया। प्रभु श्रीराम के चरणों में विनयांजलि के रूप में राज्य सरकार ने श्रीराम वन गमन पथ के सभी प्रमुख स्थलों का विकास करते हुए चित्रकूट को विश्व-स्तरीय धार्मिक एवं पर्यटन स्थल का स्वरूप प्रदान करने का निर्णय लिया है। यहां प्रतिवर्ष रामायण मेले का आयोजन भी किया जाएगा। इसी प्रकार ओरछा के श्रीराम राजा परिसर में राज्य सरकार श्रीराम राजा लोक के विकास का पुनीत कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को हवाई मार्ग एवं रेल मार्ग से भगवान श्रीराम के पावन दर्शन के लिए अयोध्या की यात्रा कराई जाएगी। राज्य सरकार ने उज्जैन में आगामी महाशिवरात्रि पर्व से गुड़ी पड़वा पर्व तक विक्रमोत्सव-2024 और विशाल व्यापार मेले के आयोजन का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की संकल्प-शक्ति से 140 करोड़ भारतवासियों की सदियों की प्रतीक्षा समाप्त हुई और एक नई आध्यात्मिक शक्ति का उदय हुआ है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से प्रदेश के 50 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सबका विकास लोकतंत्र का शरीर और राम राज्य लोकतंत्र की आत्मा बन गए हैं। विकसित भारत-संकल्प यात्रा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देशों की श्रेणी में लाने की मोदी जी की गारंटी का प्रतीक बनकर उभरी है। मोदी जी की गारंटी वाली गाड़ी गांव-गांव, नगर-नगर पहुंची और उन वंचितों की जिन्दगी बदलने का माध्यम बनी, जो अब तक सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं ले पाए थे। आज 26 जनवरी को इस यात्रा का समापन है और मुझे यह कहते हुए खुशी है कि यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश में 50 लाख से भी अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया है। यात्रा में संपूर्ण प्रदेश में 2 करोड़ से अधिक नागिरकों का उमंग और उल्लास के साथ शामिल होना यह सिद्ध करता है कि एमपी के मन में मोदी जी हैं और मोदी जी के मन में एमपी।

मकर संक्रांति उत्सव पर 1 करोड़ 29 लाख बहनों के खातों में जारी किए एक हजार 576 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आव्हान पर दिनांक 10 से 15 जनवरी तक महिला सशक्तिकरण एवं युवा ऊर्जा पर केंद्रित मकर संक्रांति उत्सव मध्यप्रदेश में उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश की एक करोड़ 29 लाख लाड़ली बहनों के खातों में एक हजार 576 करोड़ रुपये से अधिक की राशि और 56 लाख से अधिक हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रुपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि अंतरित की गई। माँ तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत 150 युवतियों के दल को स्टेच्यु ऑफ यूनिटी, एकता नगरी, केवड़िया, गुजरात के भ्रमण पर भेजा गया। महिलाओं और युवाओं पर केंद्रित रोजगार मेलों का भी आयोजन किया गया।

स्वच्छता के साथ-साथ अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश देश में अव्वल है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2024 का प्रारंभ मध्यप्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धियां लेकर आया है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में देश के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार पाकर इन्दौर ने सातवां आसमान छू लिया। मध्यप्रदेश देश का दूसरा स्वच्छतम राज्य और भोपाल स्वच्छतम राजधानी बना है। प्रदेश के 7 शहर वाटर प्लस, 361 शहर ओडीएफ डबल प्लस, एक शहर 7-स्टार, एक 5 स्टार, 24 शहर 3-स्टार और 132 शहर 1-स्टार गार्बेज फ्री श्रेणी में पुरस्कृत हुए हैं। केवल स्वच्छता ही नहीं, बल्कि अन्य अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं और कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश देश के सबसे अग्रणी राज्यों में शामिल है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास-सबका विश्वास के मंत्र के अक्षरश: पालन से ही संभव हो सका है।

राज्य सरकार की पहचान बने हैं त्वरित रूप से लिए गए लोक हितैषी निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की नई डबल इंजन सरकार ने आज 26 जनवरी को अपने गठन के 45 दिन पूरे कर लिए हैं। इस अल्प अवधि में सरकार ने कई त्वरित लोक हितैषी निर्णय लेकर जनता के मन पर अपनी एक अलग छाप छोड़ी है। इन्दौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 से अधिक मजदूर भाई-बहनों के हक की 224 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान करने का बड़ा निर्णय़ लिया। चाहे ध्वनि विस्तारक यंत्रों के नियमों और मापदंडों के विपरीत उपयोग पर प्रतिबंध की बात हो या फिर बिना लायसेंस के खुले में मांस-मछली आदि के क्रय-विक्रय पर रोक लगाना हो या फिर खुले बोरवेलों को बंद कराने का अभियान चालाना हो-शपथ ग्रहण के तत्काल बाद लिये गए इन जनहितकारी निर्णयों से सरकार ने ये साफ संदेश दे दिया है कि प्रदेश में कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। गुंडे-बदमाशों के मन में पुलिस का डर बिठाना और आम आदमी के मन में पुलिस का डर निकालना ही सरकार की प्राथमिकता है। जन-सुविधा के दृष्टि से भोपाल स्थित बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने का निर्णय भी इस बात का प्रतीक है कि जब-जब जनता के हित की बात होगी, तब-तब सरकार कड़े फैसले लेने में एक मिनट की भी देरी नहीं करेगी।

सरकार जो कहती है, वो करके दिखाती है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार के कामकाज में हर स्तर पर शुचिता, पारदर्शिता, विकेन्द्रीकरण, त्वरित निर्णय, कार्य दक्षता, अनुशासन एवं संवेदनशीलता दिखाई दे, इस उद्देश्य से अनेक नए कदम उठाए गए हैं। विभागों की समीक्षा के माध्यम से हर लक्ष्य की प्राप्ति के लिए माइक्रों प्लानिंग की जा रही है, वहीं दूसरी ओर सभी संभागों के विकास और कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए स्थानीय चुनौतियों को समझकर मौके पर ही निर्णय लिए जा रहे हैं। संभागीय मुख्यालय पर बड़े पैमाने पर विकास कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण यह सिद्ध करते है कि सरकार जो कहती है, वो करके दिखाती है। सरकार ने जन सामान्य की सुविधा को केन्द्र में रखते हुए विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों जैसे-जिला, तहसील, थाने आदि की सीमाओं के युक्तियुक्तकरण की कार्यवाही प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। साइबर तहसील परियोजना को भी पूरे प्रदेश में लागू करने का निर्णय लिया गया है। सुशासन को केन्द्र में रखकर उठाए गए ये सभी कदम विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे।

मध्यप्रदेश को सड़कों की दृष्टि से स्वर्णिम युग में पहुंचाया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेस-वे, मालवा निमाड़ विकास पथ, अटल प्रगति पथ, बुंदेलखंड विकास पथ, मध्य भारत विकास पथ, रिंग रोड, बायपास, रोप-वे, फ्लाईओवर, रेल ओवर ब्रिज एवं एलिवेटेड कॉरिडोर आदि का मिशन मोड में निर्माण कर मध्यप्रदेश को सड़कों की दृष्टि से स्वर्णिम युग में पहुंचाया जाएगा। सांची सोलर सिटी की स्थापना के बाद अब 5 प्रमुख पर्यटन शहरों को सोलर सिटी बनाने का लक्ष्य है। प्रदेश की रीवा सोलर पार्क परियोजना को माननीय प्रधानमंत्री जी की, "अ बुक ऑफ इनोवेशन" में स्थान मिला है। विश्व की सबसे बड़ी ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना की तर्ज पर 250 मेगावॉट की बिरसिंहपुर फ्लोटिंग सौर परियोजना लगभग एक हाजर 800 करोड़ रुपये के निवेश से क्रियान्वित करने का लक्ष्य है। राज्य सरकार न केवल नई सिंचाई क्षमता निर्मित कर रही है, बल्कि उपलब्ध सिंचाई क्षमता का भी भरपूर उपयोग सुनिश्चित कर रही है। बुंदेलखंड की जीवन-रेखा कही जाने वाली केन-बेतवा लिंक परियोजना के प्रथम चरण का निर्माण इस वर्ष प्रारंभ कर दिया जाएगा।

उज्जैन में चना, ग्वालियर में सरसों और डिंडोरी में श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान विकसित होंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के विकास-पथ को हमारे किसान भाई-बहनों ने अपने खून-पसीने से सींचा है। उनके परिश्रम का ही परिणाम है कि मध्यप्रदेश आज देश के दालों में उत्पादन में पहले, खाद्यान्न उत्पादन में दूसरे और तिलहन उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। डिंडोरी में श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान, उज्जैन में चना अनुसंधान संस्थान और ग्वालियर में सरसों अनुसंधान संस्थान की स्थापना से इन फसलों की देशी किस्मों के संरक्षण और नई किस्मों के विकास की नई राहें खुलेंगी। राज्य सरकार द्वारा 100 करोड़ रुपए से भी अधिक की नई रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू कर दी गई है। इसके अंतर्गत श्रीअन्न उत्पादन करने वाले किसानों को प्रति किलो 10 रुपए की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। साथ ही फसल उत्पादन, भण्डारण, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग, उपार्जन, ब्राण्ड बिल्डिंग के साथ वैल्यू चेन विकसित की जाएगी। ग्वालियर जिले में 13 करोड़ रुपए की लागत से मध्यप्रदेश की पहली हाईटेक फ्लोरीकल्चर नर्सरी स्थापित की जा रही है।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम-जन-मन) में जनजाति बहुल 23 जिलों के लिए 7 हजार 300 करोड़ का प्रावधान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के 35 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता श्रमिकों को लाभ देते हुए सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण दर 3 हजार रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रति मानक बोरा कर दी है। प्रदेश के 5 करोड़ 30 लाख गरीब हितग्राहियों को निशुल्क खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। जल जीवन मिशन में अब तक लगभग 67 लाख घरेलू नल कनेक्शन लगाए जा चुके है। आयुष्मान भारत योजना में लगभग 34 लाख गरीबों का नि:शुल्क उपचार किया जा चुका है। जनजातीय गौरव दिवस के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी जी द्वारा प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम-जन-मन) प्रारंभ कर विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास की क्रांतिकारी शुरुआत की गई है। इससे प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल जिलों में 7 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 23 जिलों की 4 हजार 597 बसाहटों में निवास करने वाले बैगा, सहरिया एवं भरिया जनजाति के 11 लाख से अधिक भाई-बहन लाभान्वित होंगे।

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रारंभ से ही अग्रणी रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की पहचान विश्व गुरु के रूप में रही है। यह हमारा सौभाग्य है कि भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण की थी। मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रारंभ से ही अग्रणी रहा है। राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी 55 जिलों में 55 शासकीय महाविद्यालयों का लगभग 485 करोड़ रुपये के निवेश से पीएम उत्कृष्टता महाविद्यालयों के रूप में उन्नयन करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 100 से अधिक विद्यालयों में रोबोटिक्स एवं कोडिंग के प्रशिक्षण के लिए विशेष लैब स्थापित की जा रही है। नई नीति के अनुरूप युवाओं के लिए रोजगारपरक शिक्षा के अनेक पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं। आगर-मालवा में नया विधि महाविद्यालय प्रारंभ करने का भी निर्णय लिया गया है। शिक्षा के साथ कौशल विकास और रोजगार मिलकर एक स्वर्णिम त्रिभुज बनाते हैं। प्रदेश में 28 नए आईटीआई खोले गए हैं, जिनमें 6 हजार 700 से अधिक युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण मिल सकेगा।

एक साथ 700 लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर राज्य सरकार ने किया नवाचार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित लगभग 700 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। सामान्यत: पुलिस वैरीफिकेशन व अन्य जांच में चार से छह माह का समय लगता है, इस पूरी व्यवस्था को बदलते हुए एक दिन में ही एक साथ 700 लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर राज्य सरकार ने नवाचार किया है, जो सुशासन की दिशा में एक ठोस कदम है। कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से लगभग 28 हजार पदों के लिए आयोजित भर्ती परीक्षाओं के परिणाम भी शीघ्र घोषित किए जाकर उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। वर्ष 2024-25 में रोजगार मेलों के माध्यम से 90 हजार ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने का लक्ष्य है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर फोकस करते हुए अगले वित्तीय वर्ष में महिला स्व-सहायता समूहों को 3 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक का बैंक लिंकेज तथा लाड़ली शक्ति क्रेडिट कार्ड के माध्यम से व्यवसाय के लिए न्यूनतम ब्याज दर पर एक लाख रुपये तक की बैंक क्रेडिट सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह से भेंट की

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गृह मंत्री श्री शाह का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह से जनकल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की और उनका महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त किया।

राष्ट्रीय किसान कल्याण कार्यक्रम कार्यान्वयन सोसायटी, इंडिया एआई और वाधवानी फाउंडेशन के बीच नई दिल्ली में त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय किसान कल्याण कार्यक्रम कार्यान्वयन सोसायटी, डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के तहत इंडिया एआई और वाधवानी फाउंडेशन के बीच नई दिल्ली में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन पर सचिव श्री मनोज आहूजा, अपर सचिव डॉ. पी.के. मेहरदा, सलाहकार (डिजिटल) सुश्री रुचिका गुप्ता, संयुक्त सचिव (विस्तार) श्री सैमुअल प्रवीण कुमार, निदेशक (डिजिटल) श्री मुक्तानंद अग्रवाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और वाधवानी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी के सीईओ श्री प्रकाश कुमार की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

श्री मनोज आहूजा ने सलाह, फीडबैक एकत्र करने, फसल की निगरानी, उपज के अनुमान, कीट नियंत्रण और संसाधनों के सर्वोत्तिम उपयोग संबंधी क्षमताओं का हवाला देते हुए एआई की महत्वबपूर्ण बदलावकारी भूमिका पर जोर दिया। श्री प्रकाश कुमार ने अधिक समृद्ध और खाद्य-सुरक्षित भविष्य के लिए नवाचार और ज्ञान के बीज बोते हुए मंत्रालय के साथ अभूतपूर्व यात्रा की शुरुआत करने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

एमओयू के अनुसार, वाधवानी फाउंडेशन की ओर से एआई रणनीति तैयार और कार्यान्वित करने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की जाएगी। फाउंडेशन एआई के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की राष्ट्रीय योजना के अनुरूप, एआई-संचालित डिजिटल कृषि परिवर्तन में भारत को एक वैश्विक अगुआ के रूप में स्थापित करने में मंत्रालय की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सहयोग भारत के कृषि परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जहां मंत्रालय ने मंत्रालय के भीतर एक एआई प्रकोष्ठक के निर्माण के माध्यम से डिजिटल कृषि को रूपातंरित करने में एआई के उपयोग को संस्थागत बनाया है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय किसानों के लाभ और समग्र पैदावार को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रौद्योगिकियों का लाभ उठा रहा है। एआई के एकीकरण की दिशा में अग्रणी शक्ति के रूप में, मंत्रालय भारत में किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने की मिसाल कायम कर रहा है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा डिजाइन किए गए इंडिया डिजिटल इकोसिस्टम आर्किटेक्चर (InDEA) 2.0 के नेटवर्क दृष्टिकोण का समर्थन कर रहा है।

सहकारिता के हर स्तंभ को आगे बढ़ाने विशेषज्ञों की सहायता लें : मंत्री श्री सारंग

नवाचार प्रकोष्ठ की प्रथम बैठक में मंत्री श्री सारंग

भोपाल : सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंत्रालय में सहकारिता विभाग में गठित राज्य स्तरीय नवाचार प्रकोष्ठ की बैठक ली। मंत्री श्री सारंग के निर्देशानुसार विभाग में नवाचार प्रकोष्ठ गठित किया गया है।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये है कि गरीब, किसान, महिलाएं और युवाओं की उन्नति की दिशा में प्रकोष्ठ काम करे। उन्होंने कहा कि प्रकोष्ठ के सातों सदस्य सोसायटी को नई दिशा देने पर अनौपचारिक रूप से भी बात करें। श्री सारंग ने कहा कि हर स्तर पर नवाचार पर काम हो। विभाग में हर स्तंभ को आगे बढ़ाने के लिये विशेषज्ञों की भी सहायता ले और एक माह में मूर्त रूप दें।

चलित सांची पार्लर चलाने के निर्देश

मंत्री श्री सारंग ने चलित सांची पार्लर चलाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि दुग्ध संघ ई-रिक्शा के माध्यम से जरूरत वाली जगह सांची के पार्लर चलाए। इसमें जरूरतमंद और रूचि लेने वाले व्यक्तियों को जोड़े तथा आवश्कतानुसार उन्हें अपेक्स बैंक लोन भी उपलब्ध करवाए।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नवाचार की समिति प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें, जिसमें आगामी वर्षों का प्लान हो। कुशल रिहा कैदियों की सोसायटी बनाकर भी उन्हें रोजगार से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सोसायटी सोर्स विकसित करने की दिशा में काम करना होगा। इसके लिये मैरिज लॉन, गोदाम आदि बनाने पर विचार किया जा सकता है।

सहकारिता क्षेत्र हो मजबूत

मंत्री श्री सारंग ने सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने को कहा। उन्होंने डेयरी में शुद्ध उत्पादन के लिये भी नये आयाम स्थापित करने के दिशा-निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने ईमानदार और अनुशासित व्यक्तियों, सोसायटियों को प्रशिक्षण देकर सहकारिता क्षेत्र को आगे बढ़ाने को कहा।

मंत्री श्री सारंग ने नवाचार प्रकोष्ठ को दूसरों राज्यों सहित अन्य देशों की सहकारिता व्यवस्था की स्टडी के निर्देश दिये। उन्होंने नगर निगम से जमीन लेकर सहकारिता से स्पोर्ट्स सोसायटी के माध्यम से खेल हेल्थ क्लब चलाने के प्रयास करने के निर्देश दिये। उन्होंने फूड ऑन व्हील के लिये भी भोपाल की सोसायटियों को जोड़ने को कहा।

बैठक में नये क्षेत्रों में नवाचार आधारित सहकारिता संस्थाओं का विस्तार, गतिविधियों, सेक्टरों की पहचान, कैदी कल्याण, वृद्धजन सेवा, हस्तशिल्प आदि पर चर्चा की गई। बैठक में सहकारिता आयुक्त श्री आलोक कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आवास संघ अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण कर की समीक्षा

मंत्री श्री सारंग ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी आवास संघ मर्यादित के अध्यक्ष पद का कार्यभार आवास संघ कार्यालय में ग्रहण कर संघ की गतिविधियों की समीक्षा की। मंत्री श्री सारंग ने आवास संघ को पुन: मजबूत करने को कहा। उन्होंने कहा कि इसके लिये संविदा पर कुशल इंजीनियर आदि को रखा जाए। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि पारदर्शिता के साथ काम करें। आवश्यक हो तो एक्ट परिवर्तन/संशोधन की दिशा में भी काम हो। मंत्री श्री सारंग ने राज्य सहकारी संघ की आई.टी. के सहयोग से मार्केटिंग और डिस्पोजेवल विंग बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये।

प्रत्येक जिले में लगेंगे वन मेले : वन मंत्री

भोपाल : प्रदेश के प्रत्येक जिले में वन मेलों का आयोजन होगा। वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने आज राज्य स्तरीय वन मेले के समापन समारोह को संबोधित करते हुए इस आशय की घोषणा की। उन्होने कहा कि वे वन मेले में पहली बार शामिल हुए और जनजातीय बंधुओं द्वारा संग्रहित जड़ी-बूटियों और हर्बल उत्पादों को देखकर अभिभूत हुए। वन मंत्री श्री चौहान ने कहा कि वन मेले में 50 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी की और सिर्फ चार दिनों में ही हर्बल उत्पादों की बिक्री लगभग 60 लाख तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि मेले में जानकार वैद्यों द्वारा लगभग 10 हजार लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

वन मंत्री ने कहा कि मेले के माध्यम से लोगों को जड़ी-बूटियों की जो जानकारियाँ प्राप्त हुई उससे आयुर्वेद अपनाने के प्रति रुझान बढ़ेगा। साथ ही जनजातीय परिवारों को जीविका चलाने के लिये सतत अवसर मिलेंगे।

सामाजिक न्याय, उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि दूर अंचलों के वनों से जड़ी-बूटियाँ संग्रहित करने वाले जनजातीय परिवारों को कठिन मेहनत करना पड़ती है। उन्होंने कहाकि वन विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा जड़ी-बूटियों का परीक्षण और प्रसंस्करण कर औषधियां बनाई जाती है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिये लाभकारी होती है। उन्होंने कहा कि इन औषधियों का लाभ जनता को मिले और आदिवासी सशक्त हों।

दुर्लभ जड़ी-बूटियों की विशाल संपदा देख अभिभूत हो गए लोग

राज्य स्तरीय वन मेले में घूमने आये लोग

वन मंत्री श्री चौहान के निर्देश पर वन उपज संग्रहण करने वाले परिवारों की आय बढ़ाने के लिए कार्य योजना तैयार की जा रही

भोपाल : मध्य प्रदेश की विशाल वन संपदा का दर्शन कर अभिभूत हो गए। औषधीय महत्व के दुर्लभ पौधों, बेलों, जड़ों, पत्तियों को प्रत्यक्ष देख मेले में आये लोगों को सोने चांदी से कीमती वनोपज के बहुमूल्य खजाने पर गर्व का अनुभव हुआ.

भोपाल हाट में चल रहे वन मेले में वनोपज से बनी औषधियों और व्यंजनों को भरपूर पसंद किया. हर्रा, बहेड़ा, आंवला, महुआ के उत्पादों के अलावा कुछ ऐसी जड़ी बूटियां मेले में प्रदर्शित है जो अब दुर्लभ होती जा रही है. वन क्षेत्र गहरी वन क्षेत्र के भीतर रहने वाले जनजाति परिवार उनकी रक्षा करते हैं और उनकी उन्हें उनकी गहरी पहचान होती है. वही इनका संग्रहण करते है. वन मंत्री श्री नागर सिंह चौहान के निर्देश पर वन उपज संग्रहण करने वाले परिवारों की आय बढ़ाने के लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है।

मेले में वच, विदारीकंद, सिंदूरी, सप्तपर्णी, निर्गुंडी पुनर्नवा, ब्राह्मी, चमेली, अश्वगंधा, अर्जुन,अपराजिता, आमी हल्दी, काली हल्दी, जंगली प्याज, जंगली अदरक, कचनार कालमेघ, हड़जोड़, गूगुल, गोखरू, गिलोय शंखपुष्पी के अलावा शतावरी जैसी दुर्लभ होती जा रही वन उपज भी प्रदर्शित है।

हालांकि शतावरी मध्य भारत में बहुतायत से मिलती है लेकिन अब इसके ऊपर ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरे मंडरा रहे हैं. शास्त्रों में इसका वर्णन आता है कि यह आयुर्वेद में एक रसायन के रूप में और रोग प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने वाली है. याददाश्त बढ़ती है और तनाव को दूर करती है. पाचन क्षमता को भी मजबूत बनाती है. इसका उपयोग नवजात शिशुओं की माताओं को पौष्टिक आहार बढ़ाने के लिए टॉनिक की तरह किया जाता है।

इसकी जड़ों का उपयोग किया जाता है. जानवरों की खांसी को भी इससे दूर किया जाता है. शतावरी का पौधा 4 मीटर तक लंबा होता है. इसकी पत्तियां नोकदार होती हैं और इनका हरापन विशेष चमक लिए होता है. इसके फूल अपने शैशव अवस्था में सुगंधित होते हैं।

तीखुर का नाम ज्यादातर लोग जानते हैँ लेकिन कई ने देखा नहीं. यह प्रदेश के विंध्य क्षेत्र के वनों में मिलता है. यह कंदिल जैसे दिखने वाला शाक है। इसके पत्ते 30-45 सेमी लम्बे, नोंकदार और गहरे हरे होते हैं। इसके फूल पीले रंग के होते हैं जो सफ़ेद और हरी पत्तियों के बीच लगे रहते हैं। इसके फल अण्डाकार, तीन कपाटों में खुलते हैं तथा बीज अनेक और छोटे होते हैं। इसका प्रकन्द मूल छोटा, लम्बे गूदेदार रेशे से भरा होता है। इसका जुलाई में फूलता और नवम्बर में फलता है।

तीखुर मधुर, शीत तथा पित्तशामक होता है।यह सुगन्धित, बलकारक होता है। इसका उपयोग क्षय रोग दूर करने रक्त विकार, श्वास विकार, बुखार दूर करने, मूत्र सम्बन्धी विकारों को दूर करने में उपयोगी होता है।

पृष्ठ 1 का शेष

भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में 75वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया

प्रदेश के जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुतियाँ

लाल परेड मैदान में हुए समारोह में जनजातीय संस्कृति पर केन्द्रित बुंदेलखंड का बरेदी और बधाई लोकनृत्य, निमाड़ का गणगौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार और बड़वानी छेत्र में निवास करने वाली भील जनजाति का भगोरिया नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही यादव जाति का जातीय लोकनृत्य अहिराई की प्रस्तुति भी दी गई। इन नृत्यों में जनजातीय वर्ग के युवक-युवती रंगीन वेशभूषा में में छटा बिखेर रहे थे। जनजातीय वाद्य यंत्रों ने मैदान में उपस्थित जनसमुदाय को अभिभूत किया।

झांकियों के माध्यम से प्रदेश की प्रगति का प्रदर्शन

गणतंत्र दिवस समारोह में झांकियों के माध्यम से प्रदेश की प्रगति, सुशासन जनभागीदारी से समग्र विकास को प्रदर्शित किया गया। उद्यानिकी विभाग की झांकी में जनभागीदारी से उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में प्रदेश की तरक्की को दर्शाया गया था। झांकी में देश में संतरा, टमाटर, धनिया एवं लहसुन उत्पादन में प्रथम स्थान रहने को चित्रित किया गया था। विभाग ने जनता की सुविधा के लिये ई-नर्सरी पोर्टल भी शुरू किया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की झांकी में कृषि क्षेत्र में देश में उभरते मध्यप्रदेश को उपलब्धियों के साथ दिखाया गया। झांकी के माध्यम से ड्रोन से नेनो यूरिया के छिड़काव को सुशासन की व्यवस्था को प्रदर्शित किया गया। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की झांकी में श्री विश्वकर्मा की प्रतिमा को कारीगरों एवं शिल्पकारों के प्रतीक के रूप में प्रदर्शित किया गया।

झाकियों के प्रदर्शन के सिलसिले में जेल विभाग की झांकी में आजादी के बाद जेलों में हो रहे सुधारात्मक स्वरूप को दर्शाया गया। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की झांकी में युनेस्को में शामिल स्थलों को दर्शाया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की झांकी में जल जीवन मिशन के माध्यम से नागरिकों को पेयजल की उपलब्धता को दिखाया गया। वन विभाग की झांकी में संयुक्त वन प्रबंधन के माध्यम से ग्रामवासियों को रोजगार और आत्मनिर्भर बनाने की कोशियों को दर्शाया गया। मछुआ कल्याण विभाग की झांकी जनता का विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। इस झांकी को मछली का विशाल स्वरूप प्रदान किया गया था। झांकी में प्रदेश की समृद्ध मत्स्य संपदा को दर्शाया गया। पशुपालन विभाग की झांकी में चलित पशु चिकित्सा इकाई के वाहन और उसके माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं को दर्शाया गया। झांकी के प्रदर्शन के सिलसिले में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित द्वारा सहकारिता के माध्यम से सुशासन को दिखाया गया। अंतिम झांकी निर्वाचन की थी। इस झांकी में निर्वाचन के महत्व का प्रदर्शित किया गया था। झांकी की विषयवस्तु "वोट जैसा कुछ नही, वोट जरूरी डालेंगे हम" था।

पुरस्कार

गणतंत्र दिवस समारोह में स्कूल के बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुतियों में संत हिरदाराम नगर के हासोमल पब्लिक स्कूल को प्रथम, रेड रोज स्कूल लांबाखेड़ा को दूसरा और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल की प्रस्तुति को तृतीय पुरस्कार के लिये चयनित किया गया।

हर ग्राम पंचायत में खोली जायेंगी राशन की दुकाने : मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत

भोपाल : खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि आम जनता की सुविधा के लिए प्रदेश के हर ग्राम पंचायत में राशन दुकानें खोली जायेंगी। जिन 311 पंचायतों में राशन की दुकानें अभी संचालित नहीं है, उन ग्राम पंचायतों में उन्हों ने अधिकारियों को राशन दुकान अतिशीघ्र खोलने के निर्देश दिये। मंत्री श्री राजपूत ने प्रतिमाह वितरित होने वाला राशन समय-सीमा में पहुंचाने एवं मानक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। श्री राजपूत ने मंत्रालय में खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम, मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन एवं नाप-तौल विभाग के अधिकारियों के साथ विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की।

मंत्री श्री राजपूत ने गेहूं उपार्जन से जुड़े सभी कार्य समय पर पूरा करने एवं उपार्जन नीति जारी करने के निर्देश दिये। श्री राजपूत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन कार्य के दौरान गेहूं की गुणवत्ता अच्छी हो सके, इसके लिये सभी समितियों एवं खरीदी केन्द्रों पर पंखा झरना इत्यादि आवश्यंक व्यावस्थाएँ अनिवार्य रूप से रखी जायें।

मुख्यमंत्री करेंगे संयुक्त भवन का शिलान्यास

समीक्षा बैठक में मंत्री श्री राजपूत ने खाद्य विभाग का संयुक्त रूप से निर्माण होने वाले भवन का शिलान्यास मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से यथाशीघ्र कराये जाने के निर्देश दिये।

निलंबित राशन की दुकान के स्थान पर ही होगा अटैच दुकान का संचालन

मंत्री श्री राजपूत ने निर्देश दिये कि किसी कारण से राशन दुकान को निलंबित करने की स्थिति में इस राशन दुकान को समीप स्थित राशन दुकान से अटैच किया जाता है, तो आम लोगों को असुविधा से बचाने के लिए अटैच राशन की दुकान का संचालन निलंबित राशन की दुकान पर ही अस्थाई रूप से करने के आदेश जारी करें। बैठक में अपर मुख्य सचिव खाद्य श्रीमती स्मिता भारद्वाज, खाद्य संचालक श्री तरूण पिथौड़े, सदस्य सचिव खाद्य आयोग श्री शोभित जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मेले में सजा शिल्पियों का बाजार

भागलपुरी - कश्मीरी सिल्क साड़ी, सहारनपुर फर्नीचर खास

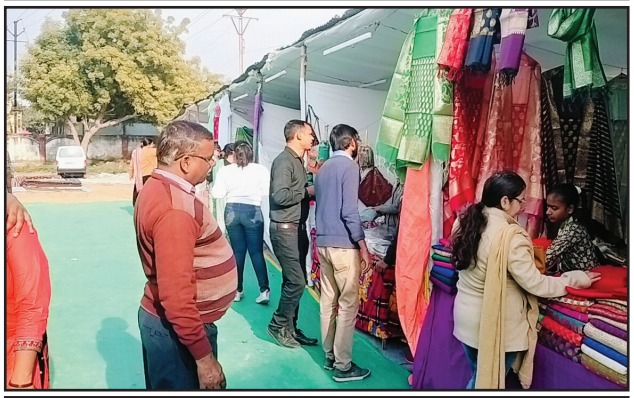

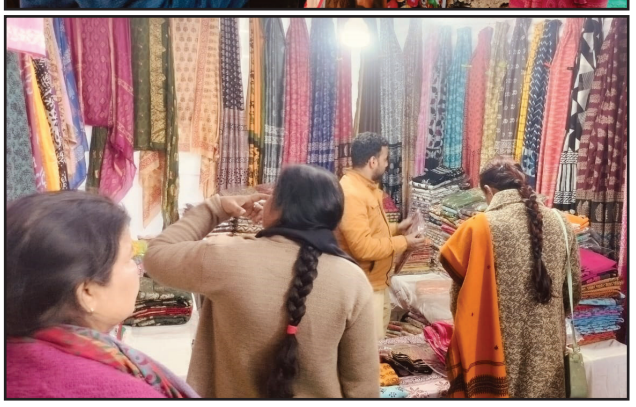

भोपाल। कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के प्रायोजन एवं म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के आयोजन में गाँधी शिल्प बाजार 2024 का शुभारम्भ दस्तकारी हाट मेंला परिसर ग्वालियर (म. प्र.) में किया गया। इस हाट में कारीगरों व्दारा उत्पादित वस्तुएं जैसे जरी, जूट बैग, जरी वर्क, एम्ब्राइडरी, वाल हैगिंग, चंदेरी साड़ी, माहेश्वरी साड़ी इत्यादि की प्रदर्शनी एवं बिक्री हेतु उपलब्ध रही। इस शिल्प बाजार की निर्धारित अवधि दिनांक 21 जनवरी 2024 से दिनांक 30 जनवरी 2024 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित किया गया। गाँधी शिल्प बाजार का शुभारम्भ राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त श्री दीपक विश्वकर्मा, कार्यालय विकास आयुक्त भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय के सहायक निदेशक श्री संदीप पटेल, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ ग्वालियर के प्राचार्य श्री शिरीष पुरोहित, सीड संस्था के सचिव धर्मेन्द्र सिंह राजपूत, ग्वालियर समन्वयक अवतार सिंह एवं समस्त हस्तशिल्प कारीगरों की उपस्थिति में किया गया। इस मेले में सम्पूर्ण भारतवर्ष से भाग लेने के लिए करीब 100 शिल्पी अपनी कलात्मक वस्तुऐं जैसे भागलपुरी सिल्क, सूट, साड़ी, कश्मीरी सिल्क, आसाम सिल्क, बनारसी सिल्क, लखनवी चिकन वर्क सूट, कोसा सिल्क, फुलकारी वर्क, बैंबू फर्नीचर, पूना मेड कुशन, आगरा का मार्बल काफ्ट, सहारनपुर फर्नीचर, भदोही का कारपेट, कश्मीर की पश्मीना शाल, बटिक प्रिन्ट, दिल्ली की ज्वेलरी, पश्चिम बंगाल की जामदानी सिल्क साड़िया एवं काथा वर्क, नागालैण्ड के ड्राई फ्लावर, पंजाब की फलकारी, बुदनी की लकड़ी के खिलौने आदि के साथ पधारे। गांधी शिल्प बाजार का मुख्य उद्देश्य विभिन्न शिल्प से जुड़े देश भर के कारीगरों के उत्पादों का एक स्थान पर प्रदर्शन और विक्रय के माध्यम से उनके उत्पादों का समुचित मूल्य दिलाकर उनका आर्थिक संवर्धन करना। इस प्रकार के आयोजन से आम नागरिक देश के विभिन्न शिल्पों की न केवल जानकारी प्राप्त कर सके बल्कि उन्हें अपनी पसन्द अनुसार उचित मूल्य पर खरीद भी सके।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 75 वां गणतंत्र दिवस

प्रबंध संचालक श्री रंजन ने फहराया राष्ट्र ध्वज

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के सहकारी प्रशिक्षण केन्द्रों एवं मुख्यालय में गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मानाया गया। संघ मुख्यालय में प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन ने गणतंत्र दिवस पर राष्ट्र ध्वज फहराया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से राष्ट्रगान हुआ । राष्ट्रगान पश्चात प्रबंध संचालक ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाऐं दी तथा सौंपे दायित्वों को निष्ठापूर्वक एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करते हुए समय पर पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल के सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर में प्राचार्य श्री विजय कुमार वर्बे, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के प्राचार्य श्री दिलीप मरमट एवं सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव के प्राचार्य श्री शिरीष पुरोहित ने राष्ट्र ध्वज फहराया। इस अवसर पर जबलपुर, इंदौर, भोपाल एवं नौगांव के व्याख्याता, जिला सहकारी प्रशिक्षक, लिपिक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, कार्यालय सहायक एवं सुरक्षा स्टाफ एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

सहकारिता विभाग के सहकारी निरीक्षकों एवं उप- अंकेक्षकों हेतु बी - पैक्स के मॉडल बायलॉज एवं मध्यप्रदेश की सहकारी नीति 2023 पर प्रशिक्षण सम्पन्न

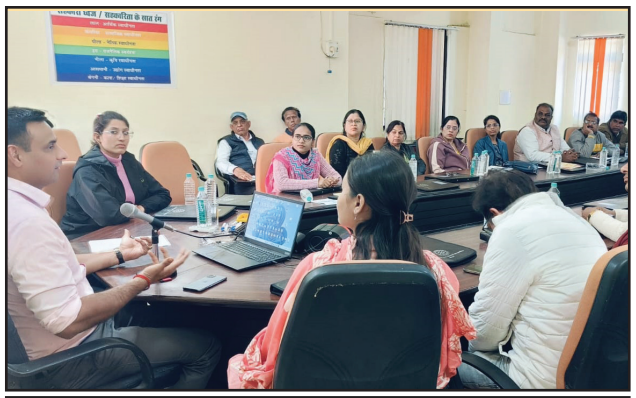

भोपाल। प्रमुख सचिव, सहकारिता मध्यप्रदेश शासन एवं आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाऐं मध्यप्रदेश के निर्देश के परिपालन में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ में मध्यप्रदेश की सहकारी नीति 2023 एवं बी- पैक्स के मॉडल बायलॉज के प्रावधान व उनके समुचित क्रियान्वयन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 15/01/2024 से 16/01/2024, 17/01/24 से 18/01/24, 19/01/24 से 20/01/24, 23/01/24 से 24/01/24, 24/01/24 से 25/01/ 24 तक कुल 05 प्रशिक्षण कार्यक्रम सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में सफलतापूर्वक आयोजित किये गयें। जिसमें सहकारिता विभाग के कुल 152 सहकारी निरीक्षक एवं उप - अंकेक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण पर जानकारी देते हुए श्री संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्या० भोपाल द्वारा बताया गया कि बी - पैक्स के नवीन बायलाज अनुसार नवीन बायलाज अनुसार पैक्स की प्रमुख गतिविधियां एवं क्रियान्वयन, सहकारी नीति से सहकारी संस्थाओं व सदस्य के आर्थिक व सामाजिक कल्याण, मध्यप्रदेश सहकारी नीति 2023 के एक्शन प्लान का क्रियान्वयन, सहकारिता के विशिष्ठ सेक्टर जैसे - कृषि साख, शहरी साख, सहकारी विपणन, आवास, उपभोक्ता, बीज उत्पादन, डेयरी, मत्स्य एवं लघु वनोपज पर विषय विशेषज्ञ श्रीकुमार जोशी, सेवा निवृत्त, संयुक्त आयुक्त सहकारिता, बी - पैक्स के नवीन बायलाज को प्रभावशील किया जाना एवं मध्यप्रदेश सहकारी नीति 2023 के क्रियान्वयन हेतु एक्शन प्लान पर विषय विशेषज्ञ श्री अविनाश सिंह, सेवा निवृत्त, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, श्री प्रदीप कुमार नीखरा से.नि. संयुक्त आयुक्त सहकारिता व श्री अभय गोखले से.नि. महाप्रबंधक अपेक्स बैंक के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी नीति 2023 क्या है, इसकी आवश्यकता, विजन, मिशन एवं उददेश्य, विषय विशेषज्ञ श्री अरूण कुमार मिश्रा, संयुक्त आयुक्त सहकारिता द्वारा पैक्स के नवीन बायलाज अनुसार पैक्स की प्रमुख गतिविधियां एवं क्रियान्वयन पर एवं श्रीमति रश्मि गोलीया मोटीवेशन स्पीकर, श्री एस. सी. वर्मा, मोटीवेशनल स्पीकर व श्री मनु दिक्षित राज्य समन्वयक आन्नदम विभाग मध्यप्रदेश के द्वारा व्यक्तित्व विकास, सम्प्रेषण कला, लाइफ बैलेंसिंग, अल्प विराम प्रशिक्षण प्रदान किया गया। श्री जी.पी. मांझी प्राचार्य सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल एवं श्री संतोष येडे राज्य समन्वयक द्वारा श्री सेवड़ी सेवा सहकारी मण्डली सूरत गुजरात मल्टी सर्विस सेंटर (PACS as MSC) के रूप में कार्य कर रहें गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम सत्र में प्रबंध संचालक एवं महाप्रबंधक राज्य संघ द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी नीति 2023 के प्रमुख प्रावधान पर प्रतिभागियों से खुली चर्चा की गई एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का फीडबैक लिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन संतोष येडे, राज्य समन्वयक, राज्य सहकारी संघ द्वारा किया गया। श्री जी.पी.मांझी, प्राचार्य, श्री अरूण कुमार जोशी, भू.पू. प्राचार्य सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल, धनराज सैंदाणे, प्रवीण कुशवाहा, विक्रम मुजुमदार, ज्ञानू सिंह, मो. शाहिद खांन, विनोद कुशवाहा का विशेष सहयोग रहा।

पी.एम-दक्ष योजना प्रशिक्षण प्रांरभ

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एवं मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री दक्षता कुशलता संपन्न हितग्राही (पी.एम. दक्ष) योजना अंतर्गत इंदौर, उज्जैन, राजगढ़, बडवानी, आगर मालवा, नरसिंहपुर, शहडोल, खरगौन, डिण्डौरी, धार, शाजापुर, सीहोर एवं दमोह जिलों में प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहें हैं।

पी.एम. दक्ष योजना के तहत नेशनल शेड्यूल्ड कास्ट्स फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कार्पोरेशन के द्वारा 630 प्रतिभागी, नेशनल बैकवर्ड क्लसेज फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कार्पोरेशन के 570 प्रतिभागी, नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एण्ड डेवलपमेंट कार्पोरेशन के द्वारा 120 प्रतिभागी इस प्रकार कुल 1320 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिये जाने की स्वीकृति प्राप्त हुई है। पी.एम. दक्ष योजना का मुख्य उददेश्य आर्थिक रूप से पिछडे हुए लोगों का उत्थान करना है, जिस हेतु स्किल ट्रेनिंग दी जा रही है। संघ द्वारा सफाई कर्मचारियों, उद्यमिता विकास कार्यक्रम, अप - स्किलिंग / री - स्किलिंग हेतु अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहें हैं।

मास्टर ट्रेनर्स मीनाक्षी अग्रवाल इंदौर ने बताया कि ई.डी.पी. प्रशिक्षण के तहत लाभार्थी को व्यवसाय कलां, व्यवसाय में नवाचार, स्आर्टअप, डिजीटल मार्केटिंग इत्यादि पर विस्तृत जानकारी दी जा रही हैं। राजगढ प्रशिक्षण केन्द्र के मास्टर ट्रेनर्स राम जैसवाल स्ट्रीट फूड वेंडर एवं ट्रेडिशनल स्नेक्स एवं सेवरी मेकर को

ग्राहक व्यवहार, सफल विक्रेता के गुण, बाजार प्रबंधन, साफ-सफाई एवं स्वच्छता का ध्यान रखते हुए वस्तुओं का विक्रय, स्नैक फेक्ट्री का अध्ययन भ्रमण के साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के प्राचार्य श्री दिलीप मरमट, जिला सहकारी प्रशिक्षक श्री सुयश शर्मा, श्री राहुल श्रीवास, श्री प्रदीप रायकवार सहकारी प्रशिक्षण जबलपुर के प्राचार्य श्री विजय कुमार वर्षे जिला सहकारी प्रशिक्षक श्री पियुष राय, श्री जय कुमार दुबे, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल, जिला सहकारी प्रशिक्षक श्री विनोद कुशवाहा, मो. शाहिद खांन एवं सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव के जिला सहकारी प्रशिक्षक श्री हृदेश कुमार राय का विशेष सहयोग रहा।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।